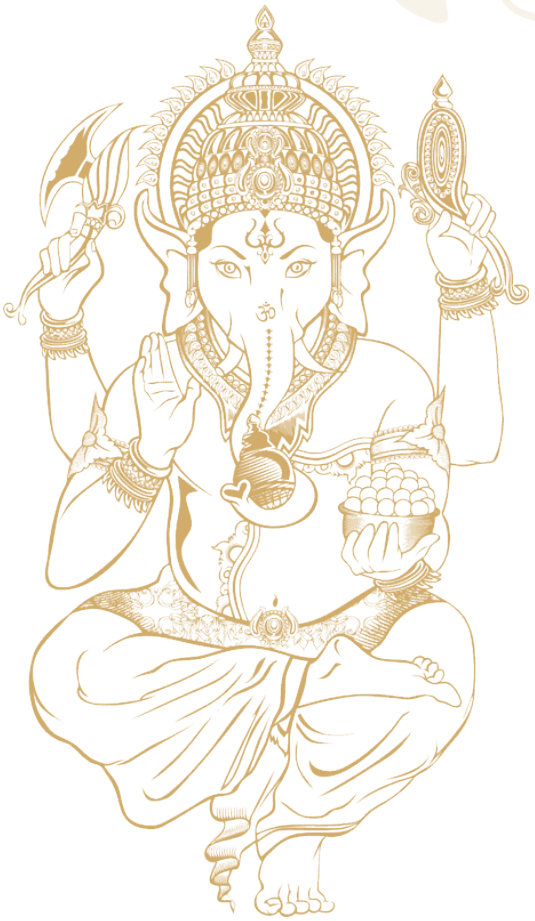

???? ????? ???? ??

19 Apr 1986

02:20 PM

Hapur

Model: Web-VarshKundli **Order No: 121879801**

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
19/04/1986	जन्म तिथि	**19/04/2026**
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 14:20:00	जन्म समय	20:37:20 घंटे
घटी 21:15:03	जन्म समय(घटी)	36:59:09 घटी
India	देश	India
Hapur	स्थान	Hapur
उत्तर 28:43:00	अक्षांश	28:43:00 उत्तर
पूर्व 77:47:00	रेखांश	77:47:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:52	स्थानिक संस्कार	-00:18:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:58	सूर्योदय	05:49:40
18:46:42	सूर्यास्त	18:46:52
23:39:47	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:33

सिंह	लग्न	तुला
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कर्क	राशि	वृष
चन्द्र	राशि-स्वामी	शुक्र
आश्लेषा	नक्षत्र	कृतिका
बुध	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	3
गण्ड	योग	सौभाग्य
तैतिल	करण	तैतिल
डो-डोभाल	जन्म नामाक्षर	उ-उपासना
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
मार्जार	योनि	मेष
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	गरूड़
40	गत/तत्कालिक वर्ष	41

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	3	07:50:34	सिंह			लग्न			तुला	29:46:07	3	विशाखा
अश्विनी	2	05:20:44	मेष			सूर्य			मेष	05:20:44	2	अश्विनी
आश्लेषा	4	27:49:31	कर्क			चंद्र			वृष	05:02:52	3	कृतिका
पूर्वाषाढ़ा	2	16:47:16	धनु			मंगल			मीन	13:23:34	4	उ०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	2	08:32:22	मीन			बुध			मीन	12:23:30	3	उ०भाद्रपद
शतभिषा	4	19:26:21	कुंभ			गुरु			मिथु	23:14:31	1	पुनर्वसु
कृतिका	1	27:15:35	मेष			शुक्र			वृष	00:14:47	2	कृतिका
अनुराधा	4	15:16:15	वृश्चि	व		शनि			मीन	13:36:01	4	उ०भाद्रपद
अश्विनी	2	06:19:27	मेष			राहु	व		कुंभ	13:25:48	3	शतभिषा
चित्रा	4	06:19:27	तुला			केतु	व		सिंह	13:25:48	1	पू०फाल्गुनी
ज्येष्ठा	4	28:29:30	वृश्चि	व		मु			धनु	07:50:34	3	मूल

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

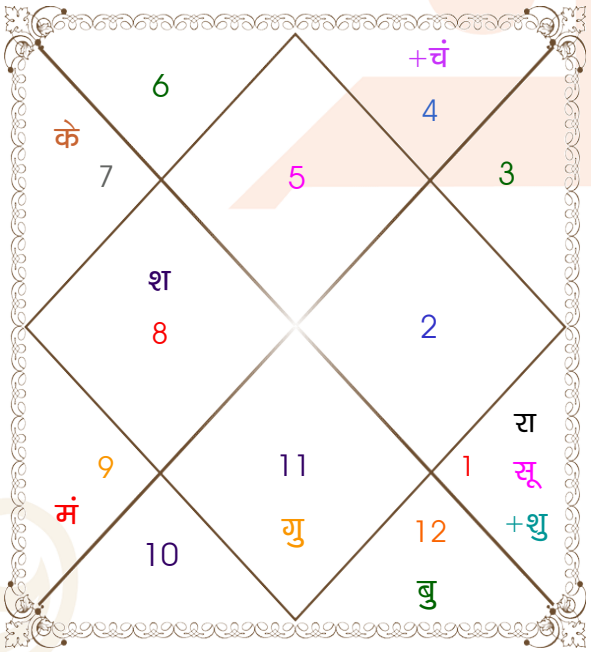

वर्ष लग्न कुंडली

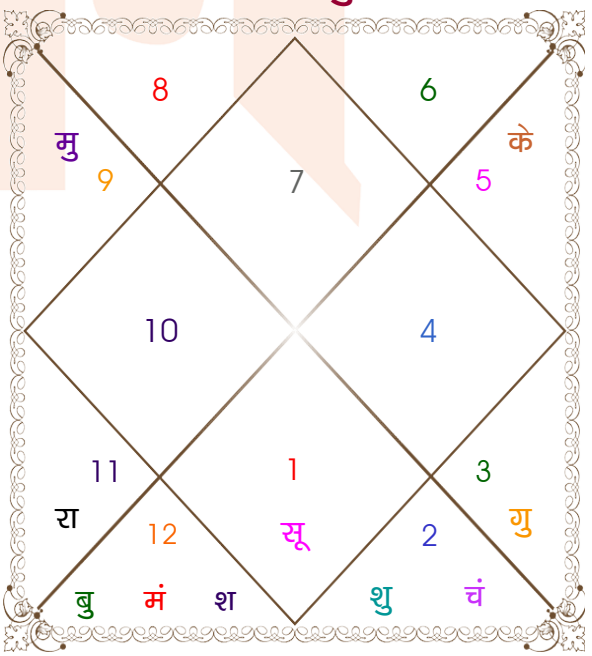

चन्द्र कुंडली

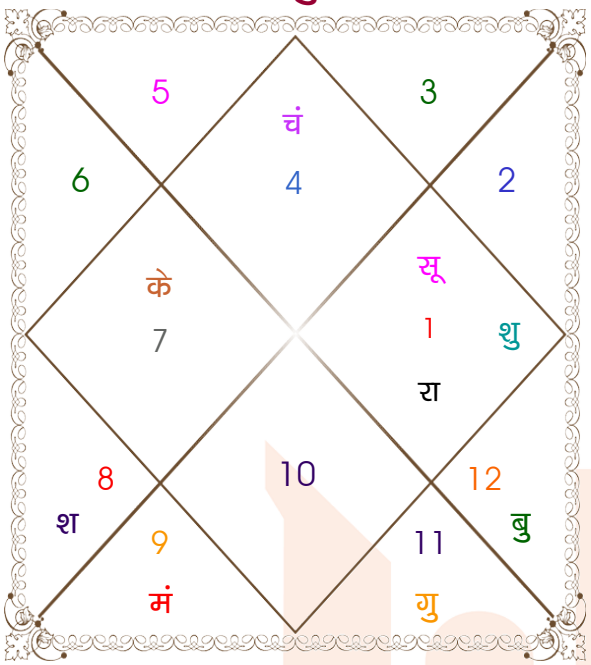

वर्ष चन्द्र कुंडली

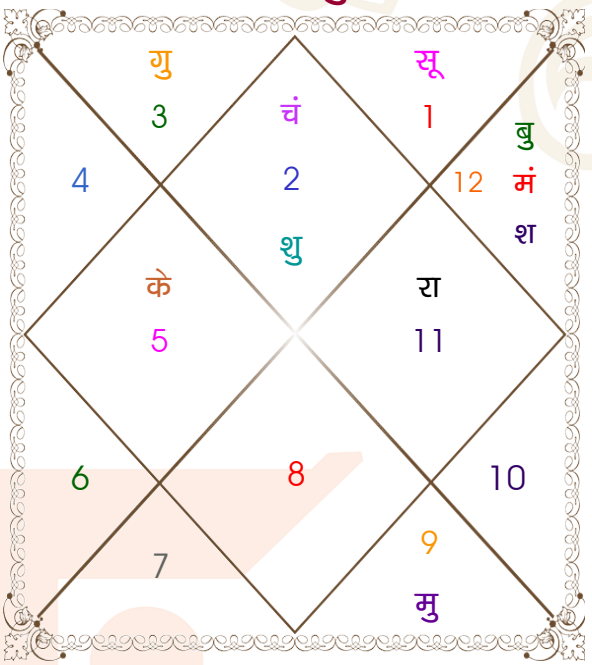

नवमांश कुंडली

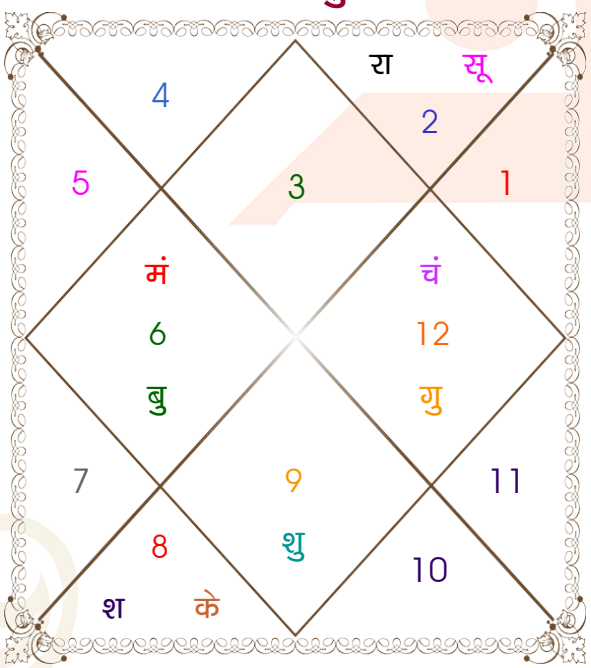

वर्ष नवमांश कुंडली

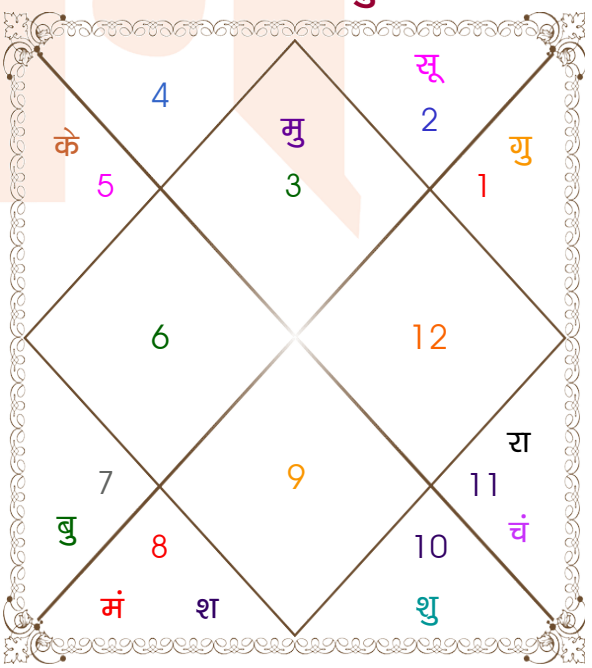

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	सम	सम	मित्र	सम	सम
चन्द्र	सम	---	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	मित्र
मंगल	सम	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
बुध	सम	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	---	सम	शत्रु
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	---	मित्र
शनि	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	तुला	मेष	वृष	मीन	मीन	मिथु	वृष	मीन
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	धनु	मेष	कन्या	मीन	मीन	सिंह	कन्या	मीन
चतुर्थांश	कर्क	मेष	वृष	मिथु	मिथु	मीन	वृष	मिथु
पंचमांश	तुला	मेष	वृष	मीन	मीन	मिथु	वृष	मीन
षष्ठांश	कन्या	वृष	वृश्चि	धनु	धनु	सिंह	तुला	धनु
सप्तमांश	मेष	वृष	धनु	धनु	वृश्चि	वृश्चि	वृश्चि	धनु
अष्टमांश	वृश्चि	वृष	कन्या	सिंह	सिंह	वृश्चि	सिंह	सिंह
नवमांश	मिथु	वृष	कुंभ	वृश्चि	तुला	मेष	मक	वृश्चि
दशमांश	कर्क	वृष	कुंभ	मीन	मीन	मक	मक	मीन
एकादशांश	कर्क	मेष	वृष	मिथु	मिथु	मक	मेष	मिथु
द्वादशांश	कन्या	मिथु	कर्क	सिंह	कर्क	मीन	वृष	सिंह

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु
होरा	स्व	स्व	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
चतुर्थांश	सम	शत्रु	शत्रु	स्व	स्व	स्व	शत्रु
पंचमांश	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु
षष्ठांश	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु
सप्तमांश	सम	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
अष्टमांश	सम	मित्र	सम	सम	शत्रु	सम	सम
नवमांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
दशमांश	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
एकादशांश	सम	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु
द्वादशांश	सम	स्व	सम	मित्र	स्व	स्व	सम
शुभ	1	7	2	5	4	10	1
सम	11	1	2	1	1	1	2
अशुभ	0	4	8	6	7	1	9
कुल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	5	0	0	0	0
द्वितीय बल	5	5	0	0	0	5	0
तृतीय बल	0	5	5	0	0	5	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	15	10	5	0	15	5
बल	क्षीण	बली	सामान्य	क्षीण	अतिक्षीण	बली	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	7.50	7.50	7.50	7.50	30.00	7.50
उच्च बल	19.48	19.77	14.96	0.29	18.69	16.31	4.04
हददा बल	11.25	3.75	3.75	3.75	3.75	15.00	3.75
द्रेष्काण	5.00	7.50	2.50	2.50	7.50	7.50	2.50
नवमांश	2.50	3.75	5.00	3.75	1.25	3.75	1.25
कुल	53.23	42.27	33.71	17.79	38.69	72.56	19.04
विंशोपक	13.31	10.57	8.43	4.45	9.67	18.14	4.76
बल	शुभ	शुभ	सामान्य	क्षीण	सामान्य	बली	क्षीण

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	सूर्य	13.31	अति अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	शुक्र	18.14	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	9.67	अतिशुभ	सूर्य
दिवापति	शुक्र	18.14	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शनि	4.76	दृष्टि नहीं	

पात्यंश दशा

शुक्र		चंद्र		सूर्य		बुध		मंगल	
19/04/2026		22/04/2026		20/06/2026		24/06/2026		18/09/2026	
22/04/2026		20/06/2026		24/06/2026		18/09/2026		01/10/2026	
	19/04/2026	चंद्र	02/05/2026	सूर्य	20/06/2026	बुध	14/07/2026	मंगल	19/09/2026
चंद्र	20/04/2026	सूर्य	02/05/2026	बुध	21/06/2026	मंगल	17/07/2026	शनि	19/09/2026
सूर्य	20/04/2026	बुध	16/05/2026	मंगल	21/06/2026	शनि	18/07/2026	गुरु	23/09/2026
बुध	21/04/2026	मंगल	18/05/2026	शनि	21/06/2026	गुरु	15/08/2026	लग्न	26/09/2026
मंगल	21/04/2026	शनि	19/05/2026	गुरु	23/06/2026	लग्न	03/09/2026	शुक्र	26/09/2026
शनि	21/04/2026	गुरु	07/06/2026	लग्न	23/06/2026	शुक्र	04/09/2026	चंद्र	28/09/2026
गुरु	22/04/2026	लग्न	20/06/2026	शुक्र	23/06/2026	चंद्र	18/09/2026	सूर्य	28/09/2026
लग्न	22/04/2026	शुक्र	20/06/2026	चंद्र	24/06/2026	सूर्य	18/09/2026	बुध	01/10/2026

शनि		गुरु		लग्न		लग्न		लग्न	
01/10/2026		03/10/2026		30/01/2027		30/01/2027		30/01/2027	
03/10/2026		30/01/2027		20/04/2027		20/04/2027		20/04/2027	
शनि	01/10/2026	गुरु	11/11/2026	लग्न	16/02/2027	लग्न	16/02/2027	लग्न	16/02/2027
गुरु	02/10/2026	लग्न	06/12/2026	शुक्र	17/02/2027	शुक्र	17/02/2027	शुक्र	17/02/2027
लग्न	02/10/2026	शुक्र	07/12/2026	चंद्र	02/03/2027	चंद्र	02/03/2027	चंद्र	02/03/2027
शुक्र	02/10/2026	चंद्र	27/12/2026	सूर्य	02/03/2027	सूर्य	02/03/2027	सूर्य	02/03/2027
चंद्र	03/10/2026	सूर्य	28/12/2026	बुध	21/03/2027	बुध	21/03/2027	बुध	21/03/2027
सूर्य	03/10/2026	बुध	25/01/2027	मंगल	24/03/2027	मंगल	24/03/2027	मंगल	24/03/2027
बुध	03/10/2026	मंगल	29/01/2027	शनि	25/03/2027	शनि	25/03/2027	शनि	25/03/2027
मंगल	03/10/2026	शनि	30/01/2027	गुरु	20/04/2027	गुरु	20/04/2027	गुरु	20/04/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि	
19/04/2026		20/05/2026		10/06/2026		04/08/2026		22/09/2026	
20/05/2026		10/06/2026		04/08/2026		22/09/2026		18/11/2026	
चंद्र	22/04/2026	मंगल	21/05/2026	राहु	18/06/2026	गुरु	10/08/2026	शनि	01/10/2026
मंगल	24/04/2026	राहु	24/05/2026	गुरु	26/06/2026	शनि	18/08/2026	बुध	09/10/2026
राहु	28/04/2026	गुरु	27/05/2026	शनि	04/07/2026	बुध	25/08/2026	केतु	12/10/2026
गुरु	02/05/2026	शनि	30/05/2026	बुध	12/07/2026	केतु	28/08/2026	शुक्र	22/10/2026
शनि	07/05/2026	बुध	02/06/2026	केतु	15/07/2026	शुक्र	05/09/2026	सूर्य	25/10/2026
बुध	11/05/2026	केतु	04/06/2026	शुक्र	24/07/2026	सूर्य	07/09/2026	चंद्र	30/10/2026
केतु	13/05/2026	शुक्र	07/06/2026	सूर्य	27/07/2026	चंद्र	11/09/2026	मंगल	02/11/2026
शुक्र	18/05/2026	सूर्य	08/06/2026	चंद्र	01/08/2026	मंगल	14/09/2026	राहु	11/11/2026
सूर्य	20/05/2026	चंद्र	10/06/2026	मंगल	04/08/2026	राहु	22/09/2026	गुरु	18/11/2026

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		सूर्य	
18/11/2026		09/01/2027		30/01/2027		01/04/2027		01/04/2027	
09/01/2027		30/01/2027		01/04/2027		20/04/2027		20/04/2027	
बुध	26/11/2026	केतु	10/01/2027	शुक्र	10/02/2027	सूर्य	02/04/2027	सूर्य	02/04/2027
केतु	29/11/2026	शुक्र	14/01/2027	सूर्य	13/02/2027	चंद्र	04/04/2027	चंद्र	04/04/2027
शुक्र	07/12/2026	सूर्य	15/01/2027	चंद्र	18/02/2027	मंगल	05/04/2027	मंगल	05/04/2027
सूर्य	10/12/2026	चंद्र	17/01/2027	मंगल	21/02/2027	राहु	08/04/2027	राहु	08/04/2027
चंद्र	14/12/2026	मंगल	18/01/2027	राहु	02/03/2027	गुरु	10/04/2027	गुरु	10/04/2027
मंगल	17/12/2026	राहु	21/01/2027	गुरु	11/03/2027	शनि	13/04/2027	शनि	13/04/2027
राहु	25/12/2026	गुरु	24/01/2027	शनि	20/03/2027	बुध	16/04/2027	बुध	16/04/2027
गुरु	01/01/2027	शनि	27/01/2027	बुध	29/03/2027	केतु	17/04/2027	केतु	17/04/2027
शनि	09/01/2027	बुध	30/01/2027	केतु	01/04/2027	शुक्र	20/04/2027	शुक्र	20/04/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - गुरु - राहु	
13/02/2026 19:39	
27/04/2026 20:51	
राहु	24/02/2026 18:37
गुरु	06/03/2026 12:23
शनि	18/03/2026 01:58
बुध	28/03/2026 10:21
केतु	01/04/2026 16:37
शुक्र	13/04/2026 20:49
सूर्य	17/04/2026 12:28
चंद्र	23/04/2026 14:34
मंगल	27/04/2026 20:51

चंद्र - शनि - शनि	
27/04/2026 20:51	
28/07/2026 10:26	
शनि	12/05/2026 08:48
बुध	25/05/2026 08:07
केतु	30/05/2026 16:19
शुक्र	14/06/2026 22:35
सूर्य	19/06/2026 12:27
चंद्र	27/06/2026 03:35
मंगल	02/07/2026 11:47
राहु	16/07/2026 05:25
गुरु	28/07/2026 10:26

चंद्र - शनि - बुध	
28/07/2026 10:26	
18/10/2026 08:42	
बुध	09/08/2026 00:59
केतु	13/08/2026 19:41
शुक्र	27/08/2026 11:24
सूर्य	31/08/2026 13:42
चंद्र	07/09/2026 09:34
मंगल	12/09/2026 04:16
राहु	24/09/2026 11:12
गुरु	05/10/2026 09:22
शनि	18/10/2026 08:42

चंद्र - शनि - केतु	
18/10/2026 08:42	
21/11/2026 02:20	
केतु	20/10/2026 07:55
शुक्र	25/10/2026 22:52
सूर्य	27/10/2026 15:21
चंद्र	30/10/2026 10:49
मंगल	01/11/2026 10:03
राहु	06/11/2026 11:29
गुरु	10/11/2026 23:26
शनि	16/11/2026 07:38
बुध	21/11/2026 02:20

चंद्र - शनि - शुक्र	
21/11/2026 02:20	
25/02/2027 11:35	
शुक्र	07/12/2026 03:52
सूर्य	11/12/2026 23:32
चंद्र	20/12/2026 00:18
मंगल	25/12/2026 15:15
राहु	09/01/2027 02:14
गुरु	21/01/2027 22:40
शनि	06/02/2027 04:56
बुध	19/02/2027 20:38
केतु	25/02/2027 11:35

चंद्र - शनि - सूर्य	
25/02/2027 11:35	
26/03/2027 09:33	
सूर्य	26/02/2027 22:17
चंद्र	01/03/2027 08:07
मंगल	03/03/2027 00:36
राहु	07/03/2027 08:41
गुरु	11/03/2027 05:13
शनि	15/03/2027 19:06
बुध	19/03/2027 21:25
केतु	21/03/2027 13:54
शुक्र	26/03/2027 09:33

चंद्र - शनि - चंद्र	
26/03/2027 09:33	
13/05/2027 14:11	
चंद्र	30/03/2027 09:56
मंगल	02/04/2027 05:25
राहु	09/04/2027 10:54
गुरु	15/04/2027 21:07
शनि	23/04/2027 12:15
बुध	30/04/2027 08:07
केतु	03/05/2027 03:35
शुक्र	11/05/2027 04:21
सूर्य	13/05/2027 14:11

चंद्र - शनि - मंगल	
13/05/2027 14:11	
16/06/2027 07:49	
मंगल	15/05/2027 13:25
राहु	20/05/2027 14:51
गुरु	25/05/2027 02:48
शनि	30/05/2027 11:00
बुध	04/06/2027 05:42
केतु	06/06/2027 04:56
शुक्र	11/06/2027 19:52
सूर्य	13/06/2027 12:21
चंद्र	16/06/2027 07:49

चंद्र - शनि - राहु	
16/06/2027 07:49	
11/09/2027 01:45	
राहु	29/06/2027 08:06
गुरु	10/07/2027 21:42
शनि	24/07/2027 15:20
बुध	05/08/2027 22:16
केतु	10/08/2027 23:43
शुक्र	25/08/2027 10:42
सूर्य	29/08/2027 18:48
चंद्र	06/09/2027 00:18
मंगल	11/09/2027 01:45

चंद्र - शनि - गुरु	
11/09/2027 01:45	
27/11/2027 04:21	
गुरु	21/09/2027 08:29
शनि	03/10/2027 13:30
बुध	14/10/2027 11:40
केतु	18/10/2027 23:37
शुक्र	31/10/2027 20:03
सूर्य	04/11/2027 16:35
चंद्र	11/11/2027 02:48
मंगल	15/11/2027 14:45
राहु	27/11/2027 04:21

चंद्र - बुध - बुध	
27/11/2027 04:21	
08/02/2028 11:38	
बुध	07/12/2027 13:35
केतु	11/12/2027 20:12
शुक्र	24/12/2027 01:25
सूर्य	27/12/2027 17:23
चंद्र	02/01/2028 19:59
मंगल	07/01/2028 02:37
राहु	18/01/2028 02:30
गुरु	27/01/2028 21:05
शनि	08/02/2028 11:38

चंद्र - बुध - केतु	
08/02/2028 11:38	
09/03/2028 16:03	
केतु	10/02/2028 05:53
शुक्र	15/02/2028 06:37
सूर्य	16/02/2028 18:51
चंद्र	19/02/2028 07:13
मंगल	21/02/2028 01:28
राहु	25/02/2028 14:08
गुरु	29/02/2028 14:43
शनि	05/03/2028 09:25
बुध	09/03/2028 16:03

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ हैं। जिससे आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास

19/04/2026 20:37:20 से 20/05/2026 19:27:35 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे।साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा।धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

द्वितीय मास

20/05/2026 19:27:35 से 21/06/2026 03:12:16 तक

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

तृतीय मास

21/06/2026 03:12:16 से 22/07/2026 14:03:19 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। अतः शत्रु पक्ष से आप चिन्तित रहेंगे तथा ये आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से आपको सावधान रहना चाहिए। इस महीने में आपका अनावश्यक धन का व्यय होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्ट की अनुभूति करेंगे फलतः आपकी शारीरिक शक्ति का ह्रास होगा। साथ ही इस महीने आप घर से दूर किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। सांसारिक कार्यों में भी आपको कष्ट होगा तथा मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी एसे कार्य को भी आप सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी मान प्रतिष्ठा को आघात पहुचेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आप किसी प्रकार से हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास

22/07/2026 14:03:19 से 22/08/2026 21:16:46 तक

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्य मान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
22/08/2026 21:16:46 से 22/09/2026 19:14:12 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास
22/09/2026 19:14:12 से 23/10/2026 04:58:46 तक

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके अधिकारी तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप पदोन्नति के अधिक अवसर प्राप्त करेंगे। बन्धु तथा मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपकी ख्याति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस महीने आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकते है तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप अन्य प्रकार से सुख तथा ऐश्वर्य अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा सुख पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

सप्तम् मास
23/10/2026 04:58:46 से 22/11/2026 02:54:41 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
22/11/2026 02:54:41 से 21/12/2026 16:28:42 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्धारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
21/12/2026 16:28:42 से 20/01/2027 03:10:25 तक

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चिंतित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

दशम् मास
20/01/2027 03:10:25 से 18/02/2027 17:10:42 तक

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

एकादश मास
18/02/2027 17:10:42 से 20/03/2027 15:54:15 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे या इनको कोई कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपके अन्दर उत्साह के भाव की न्यूनता स्पष्ट परिलक्षित होगी तथा धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा। अतः आर्थिक क्षेत्र में आप कष्ट प्राप्त करेंगे। आप का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मनमुटाव तथा वैमनस्य रहेगा। इसके अतिरिक्ति समाज तथा परिवार के लोगों से आपके परस्पर विवाद होते रहेंगे।अतः ऐसे समय को संयम पूर्वक व्यतीत करना ही बुद्धिमानी रहेगी।

साथ ही इस मास में आपको अल्प मात्रा में शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति भी हो सकती है। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा द्रव्य आदि भी प्राप्त कर सकते है जिससे आप किंचित सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

द्वादश मास
20/03/2027 15:54:15 से 20/04/2027 02:37:56 तक

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।